शास. कुँज बिहारी चौबे महाविद्यालय लाल बहादुर नगर
राष्ट्रीय सेवा योजना
महात्मा गांधी जयंती
02/10/2016
लाल बहादुर नगर
आपका
हार्दिक अभिनंदन
करता
है

HAPPY TEACHER'S
DAY

2019-20 Independence day

2017-18 Republic day

(7)

“राष्ट्रीय एकता दिवस”

नईदुनिया 15
रायपुर, मंगलवार 05 नवंबर 2019

महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़। नईदुनिया न्यूज

शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय, लाल बहादुर नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा प्राचार्य डॉ. आर. के. ठाकुर के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रो. बी. आर. चन्द्रवंशी के नेतृत्व में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. आर. के. ठाकुर ने समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयं सेवकों एवं छात्र. छात्राओं को राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाया। अपने उद्बोधन में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की दूरदर्शिता एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों का विस्तार से अवगत कराते हुये अपने देश की आंतरिक सुरक्षा में अपना योगदान देने हेतु प्रेरित किये।

तत्पश्चात एन. एस. एस. के स्वयं सेवको एवं छात्र.छात्राओं द्वारा सायकल रैली के माध्यम से ग्राम मक्काटोला से होते हुये लाल बहादुर नगर का भ्रमण कर राष्ट्रीय एकता का संदेश लोगों को दिया गया। मानव श्रृंखला का निर्माण कर सतर्कता जागरूकता का आयोजन भी किया गया। स्वयं सेवकों के बीच चील झपट्टा खेल कर कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ ए. आर. ध्रुव, ऊषा सोनवानी, रूचि गुप्ता, बिसेन, रूपेश बंसोड़, सूर्यकांत वर्मा, गिरधर वर्मा, कमलेश यादव, कुलेश्वरी वर्मा एवं बड़ी संख्या छात्र.छात्राएं उपस्थित थे।

Day

२०१5-16

कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ख्या में उपस्थित थे।

कुंजबिहारी कॉलेज में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

डोंगरगढ़। शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय लाल बहादुर नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. केआर मंडावी के मार्गदर्शन, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. बीआर चंद्रवंशी के कुशल नेतृत्व में एवं दल नायक कुशल साहू के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. केआर मंडावी ने कहा कि इतिहास में नारी की स्थिति एक सी नहीं रही है। 19वीं एवं 20वीं सदी में महिलाओं को लेकर अनेक आंदोलन हुए। जिसका केन्द्र बिंदु महिला शिक्षा और विधवा विवाह जैसी सामाजिक मान्यताओं के कारण उत्पन्न हुआ।

आज की स्थिति में परिवर्तन आया है और भारत के संविधान के अनुसार महिलाओं को अनेक अधिकार और कर्तव्य प्राप्त हैं। जिससे महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देख सकते हैं। डॉ. एचएल गायकवाड़ ने महिलाओं की स्थिति (वर्तमान परिपेक्ष्य में) एवं अपने अनुभव छात्रों को

दिए। वर्तमान में महिलाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने पर बल दिया। प्रो. एनके साकरे ने अपने उद्बोधन में प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान दौर में महिलाओं की स्थिति एवं दशा पर अपने विचार प्रकट किए। डॉ. एआर ध्रुव ने भी महिलाओं की स्थिति पर अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर पुष्पा वर्मा, राकेश कुमार रंगारी एवं दल नायक कुशल साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

महिला दिवस 2015-16